पं.श्री राम शर्मा आचार्य आश्रम और श्री अरबिंदो आश्रम का प्रबंध तंत्र :एक अध्यन

Pt. Shree Ram Sharma Acharya Asharam and Shree Arvindo Asharam Management System: Study

Dilip Sarah
Theology & Divinity
Dev Sanskrity Vishwavidyalaya
Gayatrikunj Haridwar (UK)

दिलीप सराह
धर्म विज्ञान एवं देवत्व विभाग
देवसंस्कृति विश्व विध्यालय गायत्री कुञ्ज
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

यह अध्याय भारतीय मूल के दो सामाजिक-आध्यात्मिक संगठनों पर केस स्टडीज प्रदान करता है

मानव जाति के कल्याण के लिए 24X7 काम करने के लिए जाने जाते हैं।

1.1 अखिल विश्व गायत्री परिवार

यह एक सामाजिक-आध्यात्मिक गैर-लाभकारी संगठन है। इसकी स्थापना युगऋषि श्री राम शर्मा आचार्य और माता भगवती देवी ने की थी। यह एक आध्यात्मिक आंदोलन है जो मानवीय मूल्यों को पुन: स्थापित करने में मदद करता है। इसका प्रभाव पूरे विश्व में है और दुनिया भर में इसके अनुयायियों की बड़ी संख्या है। इसका मुख्यालय शांतिकुंज, हरिद्वार, उत्तरांचल, भारत में है। यह संगठन भारत के सांस्कृतिक, नैतिक, नैतिक और आध्यात्मिक जागरण के लिए समर्पित है।

आध्यात्मिक पुनर्जागरण के प्रणेता पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य का जन्म आगरा जिले के आँवलाखेड़ा में 20 सितंबर 1911 को हुआ था।

उन्होंने पंद्रह साल की उम्र में अपने गुरु, एक महान हिमालयी योगी की बोली लगाई। श्री राम शर्मा आचार्य स्वतंत्रता सेनानी थे,

एक प्रख्यात विद्वान, समाज सुधारक, दूरदर्शी और युगानुकूल लेखक। उन्होंने संपूर्ण वैदिक वांग्मय का अनुवाद किया और जीवन के सभी पहलुओं पर 3000 से अधिक पुस्तकें लिखीं। गायत्री के महान भक्त आचार्य ने 80 वर्षों तक एक आदर्श जीवन व्यतीत किया और 2 जून, 1990 को स्वेच्छा से गायत्री जयंती पर अपने शारीरिक म्यान को बहा दिया।

गायत्री परिवर दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवक आधारित मिशनों में से एक है और हर क्षेत्र के लाखों लोगों तक पहुंच बना चुका है।

आज के विश्व पारिवारिक जीवन, सामाजिक जीवन और आध्यात्मिक जीवन में, सभी दबाव में हैं। लोग मशीनों की तरह काम कर रहे हैं और यहां तक कि मशीनों की तरह रह रहे हैं। उनके पास खुद के लिए समय नहीं है।

1.1.1 गायत्री परिवार

गायत्री परिवार का दर्शन विचरण क्रांति के माध्यम से युग का रूपांतरण है। आदर्श वाक्य है। हम बदलेंगे - युग बदलेंगा', ओर हम सुधरेंगे - युग सुधरेगा' । जब हम अपने आप को सुधारेंगे - दुनिया में सुधार होगा, जब हम खुद को बदल देंगे - दुनिया बदल जाएगी

युग निर्माण योजना के मुख्य उद्देश्य और उद्देश्य हैं:

1. मनुष्य में देवत्व का उदय और पृथ्वी पर स्वर्गीय वातावरण

2. व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक परिशोधन

3. स्वस्थ शरीर, शुद्ध मन और सभ्य समाज

4. एतमावत सर्वभूतेषु (सभी जीव आत्मा हैं), वसुधैव कुटुम्बकम (सम्पूर्ण)

पृथ्वी हमारा परिवार है)

5. एक राष्ट्र, एक भाषा, एक धर्म, एक सरकार

6. हर किसी को जाति, पंथ, रंग, के बावजूद आत्म विकास के लिए समान अवसर मिलना चाहिए।

धर्म, भाषा या सेक्स।

दुनिया को सुधारने के लिए स्वयं को सुधारने की आवश्यकता है और इसके लिए योग और साधना दोनों की आवश्यकता है।

प्रत्येक व्यक्ति संभावित रूप से दिव्य है और इसे सक्रिय करने के लिए आत्म प्रबंधन और आत्म स्वतंत्रता की आवश्यकता है।

1.1.2 प्रतीक और इसका अर्थ:

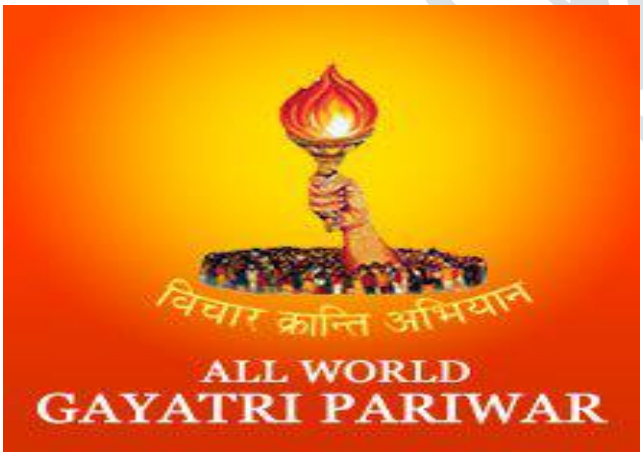

ज्वाला: नई सृष्टि के लिए दैवीय शक्ति

मशाल: सुधार की प्रतिज्ञा

आभा का प्रकाश: दिव्य शक्ति की सतत दिशा

हाथ: सामूहिक संगठित शक्ति

सामाजिक समस्याएं हजारों वर्षों से समाज का हिस्सा रही हैं। कुछ समय के साथ गायब हो गए हैं जबकि अन्य को दुनिया के बदलते समय के साथ समायोजित करने के लिए उखाड़ दिया गया है। विभिन्न देश समान सामाजिक समस्याओं के साथ-साथ विभिन्न लोगों को भी साझा करते हैं। हम EXCESS के युग में जी रहे हैं। यह दुनिया प्रदर्शन के चरण की तरह है, जहां सामाजिक समस्याएं, भ्रष्टाचार, अपराध, अनादर, झूठ, बुराइयां, विश्वासघात अपने हिस्से का प्रदर्शन कर रहे हैं जो इस दुनिया को रहने के लिए एक नरक जगह बना रहे हैं। यह सराहनीय नहीं है, लेकिन क्या यह हमारे समाज में व्याप्त है और हमारे समाज को अंदर से खोखला बना रहा है (दीमक के समान)। यदि हम इतिहास में वापस जाएं तो भारत पर ब्रिटिशों का शासन था, ज़ारिश निरंकुशता से शासित थे और इसी तरह अन्य उदाहरण भी हैं जहाँ पर मज़बूत लोगों का शासन था लेकिन अब हम खुद इन सामाजिक बुराइयों के गुलाम बन रहे हैं और उन्हें अज्ञानता, कमजोर ज्ञान और गलत मान्यताओं के रूप में अनुकूल परिस्थितियों को देकर विकसित होने की अनुमति देता है।

इस पूरे विश्व को विश्वासों के परिवर्तन की आवश्यकता है।

आज की दुनिया की वास्तविकता पारिवारिक जीवन है, सामाजिक जीवन और आध्यात्मिक जीवन दबाव में हैं। इसलिए सत्य के मार्ग का अनुसरण करने के लिए नैतिक साहस की आवश्यकता होती है अर्थात् नैटिक क्रांति की आवश्यकता होती है। भगवद् गीता कहती है, कर्म कीजे फ़ल की इछा न कर।

1.1.3 मानव जाति के कल्याण के लिए गायत्री परिवार की गतिविधियाँ और भविष्य की योजना

अध्यात्म आदित्यम है और यह "Dene me santosh" इस आंदोलन के तीन चरण हैं, अर्थात् - व्यक्तित्व विकास, पारिवारिक विकास, और सामाजिक विकास। व्यक्ति इन तीन चरणों के दौरान रचनात्मकता, दृढ़ता, साहस, करुणा, प्रेममयी दयालुता आदि गुणों की खेती कर सकता है। कार्यक्रम लंबी चर्चा की तुलना में प्रभावी निष्पादन की मांग करता है। युवा प्रबंधन के सात चरण हैं, जो "युग निर्माण योजना" के लिए आवश्यक हैं।

युवा आंदोलन के सात चरण

1. साधना

2. शिक्षा

3. स्वास्थ्य

4. आत्मनिर्भरता

5. पर्यावरण संरक्षण

6. महिला सशक्तिकरण और जागृति

7. व्यसनों से मुक्ति; और बुराई रीति-रिवाजों का उन्मूलन।

एक बहुत प्रसिद्ध उद्धरण है जो गायत्री परिवर में आत्म-परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन के लिए अनुसरण किया जाता है: स्वयं के प्रति आज्ञाकारी बनो और दूसरों के प्रति दयालु रहो, यह जीवन का वास्तविक सार है "खुदा के लिए कथोर्त्ता और डूड्रॉन के लिए यूडर्ता हाय जीवन का नैटिकिक मुल्ला है ”।

गायत्री परिवार ने विभिन्न मंडलों के आधार पर अपनी कार्ययोजनाओं का विभाजन किया है।

- प्रज्ञा केंद्र बड़ी संख्या में हैं

- महिला मंडल संख्या में बड़े हैं
- युवा मंडल बड़ी संख्या में हैं
- शक्ति पीठ संख्या में 3000 से अधिक हैं
- चेतना केंद्र संख्या में क्षेत्रवार 6 है।

गायत्री परिवार एक स्वयंसेवक समाज है। विश्व भर में 20 मिलियन लोग गायत्री परिवर से जुड़े हुए हैं। भारत, थाईलैंड, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, ब्राजील, अर्जेंटीना और पूरे यूरोप में स्थित हैं। अफ्रीकी केंद्र तंजानिया, युगांडा, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे में पाए जाते हैं। संगठन मूल रूप से समाज के उत्थान और मानव जीवन की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करता है जैसे, योग और साधना सिखाकर लोगों में दिव्यता जगाना, आयुर्वेद और यज्ञोपवीत के माध्यम से सभी के स्वास्थ्य में सुधार, महिला सशक्तिकरण और जागरण, वृक्षारोपण कार्यक्रमों और यज्ञ के माध्यम से पर्यावरण की सुरक्षा, बुराई के रीति-रिवाजों का उन्मूलन और इसी तरह व्यसनों से मुक्ति। (सभी विश्व गायत्री परिवार)। गायत्री परिवर आध्यात्मिकता सिखाने के लिए जिस तकनीक का उपयोग कर रहे हैं उसे वैज्ञानिक आध्यात्मिकता के रूप में जाना जाता है। AWGP विज्ञान और अध्यात्म के अनुसार दोनों जीवन की दो धाराएँ हैं जिनका अंतिम लक्ष्य सत्य को खोजना है। इसलिए AWGP ने दोनों धाराओं को मिश्रित किया है और आध्यात्मिकता की एक नई तकनीक यानी वैज्ञानिक आध्यात्मिकता विकसित की है।

"आध्यात्मिकता चेतना का विज्ञान है, जिसमें मन, शरीर और आत्मा का संबंध शामिल है। ईश्वरीय आस्था और भक्ति का विषय है, यह सभी प्राणियों की परम एकता का एहसास कराता है। "(AWGP)

यह संगठन समाज के उत्थान पर ध्यान केंद्रित करता है, उनके उपदेशों से मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार, योग, साधना और लोगों में देवत्व को जागृत करता है, आयुर्वेद और यज्ञोपैथी के माध्यम से सभी के स्वास्थ्य में सुधार, महिला सशक्तिकरण और जागृति, वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण की सुरक्षा और यज्ञ, बुरी आदतों का उन्मूलन और व्यसनों आदि से मुक्ति।

1.1.4 गायत्री परिवार की गतिविधियाँ

- साधना आंदोलन
- शिक्षा
- स्वास्थ्य
- स्व-शासन
- पर्यावरण का संरक्षण
- महिला जागृति
- डी एडिक्शन एंड एरीडिकेशन ऑफ एविल कस्टम्स

1.1.5 गायत्री परिवार परियोजनाएं

- लड़की भ्रूण हत्या (कन्या भूरण हत्या) - यह

- एक चुटकी जहर
- रक्तदान शिविर
- सामुदायिक रसोई केंद्र

1.1.6 AWGP के विभाग

इन कार्ययोजनाओं को पूरा करने के लिए गायत्री परिवार मुख्यालय के पास पूर्ण विभाग हैं और वे निम्नानुसार हैं:

- प्रबंधक की मेज

शांतिकुंज का प्रमुख कार्यालय, जो वैश्विक संचालन का प्रबंधन और मार्गदर्शन करता है।

- EMD: इलेक्ट्रॉनिक मीडिया डिवीजन- एक पूर्ण विकसित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया डिवीजन
- पीपीडी: फोटो, प्रिंट और प्रकाशन
- कानूनी सेल
- विदेश सेल - यह उन सभी गतिविधियों से संबंधित है जो भारत द्वारा अलग-अलग किए जाते हैं

केंद्र।

- सेल अनुवाद - यह अनुवाद कार्य से संबंधित है। गुरुदेव के लेखन का अनुवाद

विभिन्न भाषाओं में ताकि यह जनता तक पहुंच सके।

- आईटी विभाग
- सर्वर रूम
- कंप्यूटर कक्ष
- वेब स्वाध्याय
- शक्तिपीठ प्रकाशन
- आंचलिक कार्यालय
- निर्मन विभाग
- जनरल स्टोर
- सेंट्रल स्टोर
- मुद्रण
- युवा प्रकोष्ठ

 कला और संगीत (संगीत विभव)

 परिवहन - यह एक आवश्यक विभाग है। जो किसी भी आपात स्थिति में 24 / 7. चलाता है, और आश्रम के काम के लिए, यह सुविधा उपलब्ध है। रेलवे स्टेशन से भी दैनिक पिकअप और ड्रॉप अनुरोध पर उपलब्ध।

 स्व रिलायंस - स्क्रीन प्रिंटिंग, लैमिनेशन, डिटर्जेंट पर हाथ से प्रशिक्षण, सिलाई और अन्य खाद्य संरक्षण और तैयारी।

 आवासीय परिसर - एक बड़ा आवास और आवास परिसर, जिसमें 50 बेड के अस्पताल, पोस्ट-ऑफिस, 3 एटीएम, 2 बैंक और सीबीएसई मान्यता प्राप्त स्कूल, एक विश्व स्तर के विश्वविद्यालय और एक वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र की सुविधा है।

भवन के नाम: गार्गी, अरुंधति, अनुसुइया, मंदाकिनी, अदिति, लक्ष्मी भवन, बसिष्ठ, बिश्वमित्र, बसिष्ठ टिन शेड, बिस्वामित्र टिन शेड, त्रिपदा, पतंजलि, शावित्री, सरस्वती, नचिकेता, व्यास, भोजनालय टिन शेड, आचार्य भवन, प्रज्ञा भवन, शताब्दी भवन, जेमिनी शेड, अपाला, रिद्धि, सिद्धि, ऋतंभरा, मैत्रयी, रामकृष्ण, रामदास, अथर्वण, यज्ञबल्क्य, भागुणी, भागुनी, भागुनी

1.2 ऑरोविले और श्री अरबिंदो सोसायटी

ऑरोविले एक सामाजिक-आध्यात्मिक संगठन है। ऑरोविले दुनिया भर के 50,000 से अधिक लोगों की आबादी बनाने में एक सार्वभौमिक टाउनशिप है। यह संस्था द मदर द्वारा श्री अरबिंदो के विज़न पर शुरू की गई थी "जीवन के दूसरे प्रकार और विकास के लिए अभ्यास का क्षेत्र"

श्री अरबिंदो सोसाइटी पांडिचेरी में अपने मुख्य प्रशासनिक कार्यालय के साथ एक पंजीकृत सोसायटी है। इसकी लगभग 350 केंद्र और भारत और बाहर 75 शाखाएँ हैं। माँ सोसाइटी की संस्थापक और स्थायी अध्यक्ष हैं।

“यह आश्रम दुनिया के त्याग के लिए नहीं, बल्कि एक केंद्र और अभ्यास के क्षेत्र के रूप में, ऐसी संस्थाओं की तुलना में आम तौर पर एक और वस्तु के साथ बनाया गया है। जीवन का एक और प्रकार और विकास जो अंतिम अंत में होगा, एक उच्च आध्यात्मिक चेतना द्वारा स्थानांतरित किया जाएगा और आत्मा का एक बड़ा रूप धारण करेगा। ”- श्री अरबिंदो।

ऑरोविले की अवधारणा मानव एकता में एक प्रयोग के लिए समर्पित एक आदर्श टाउनशिप के गठन पर आधारित थी। 1930 के दशक की शुरुआत में माँ ने इस आंदोलन की शुरुआत एक सोच के साथ की थी

एक छत्र के नीचे उन्हें एकजुट करने के लिए मानवीय संबंधों के लिए प्रयोग करना। इस अवधारणा को तब भारत सरकार के समक्ष रखा गया था, जिन्होंने उनका समर्थन किया और फिर इस विचार को यूनेस्को की आम सभा में ले जाया गया। 1966 में यूनेस्को ने ऑरोविले के आवेदन को भविष्य की मानवता के लिए इसके महत्व को देखते हुए पारित किया और इसीलिए उन्होंने अपना पूर्ण प्रोत्साहन और समर्थन दिया।

श्री अरबिंदो का जन्म 15 अगस्त 1872 को हुआ था, वे ब्रिटिश शासन से आजादी के लिए भारतीय आंदोलन में शामिल हुए। वह बहुत प्रसिद्ध नेता बन गए। वह एक क्रांतिकारी थे। वह ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के लिए भारतीय आंदोलन में शामिल हो गए और एक अवधि के लिए मानव प्रगति और आध्यात्मिक विकास की अपनी दृष्टि विकसित करने से पहले, इसके सबसे महत्वपूर्ण नेताओं में से एक बन गए। वह एक क्रांतिकारी, एक योगी, एक लेखक, एक दार्शनिक और एक गुरु थे।

1.2.1 श्री अरबिंदो आश्रम

24 नवंबर, 1926 को स्थापित, श्री अरबिंदो आश्रम के शुरुआती दिनों में केवल 24 शिष्य थे। दिसंबर के महीने में, उसी वर्ष, एक फ्रांसीसी महिला, मीरा अल्फासा, आश्रम में पहुंची। सार्वजनिक रूप से, श्री अरबिंदो को वापस लेने के लिए निर्धारित उसे आश्रम का काम सौंप दिया। मीरा को लोकप्रिय रूप से माता कहा जाता था और समय के साथ आश्रम में उन्हें 'द मदर' के नाम से जाना जाने लगा। एक छोटे से संगठन के रूप में शुरू हुआ आश्रम एक गतिशील आध्यात्मिक समुदाय में विकसित हुआ और वर्तमान समय में भी चालू है। पांडिचेरी के डाउनटाउन क्षेत्र के अलावा, दुनिया भर के शहरों में इसकी शाखाएँ हैं।

1.2.2 ध्यान तकनीक:

एसएएस में उपयोग की जाने वाली ध्यान तकनीक इंटीग्रल योग है।

1.2.3 प्रतीक और इसका अर्थ

माँ का प्रतीक:

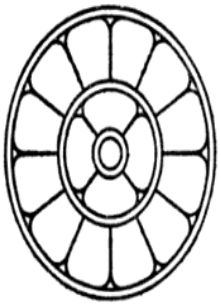

केंद्र में बिंदी एकता, सर्वोच्च का प्रतिनिधित्व करती है; आंतरिक चक्र निर्माण, शहर के गर्भाधान का प्रतिनिधित्व करता है; पंखुड़ी अभिव्यक्ति, बोध की शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं

श्री अरबिंदो का प्रतीक

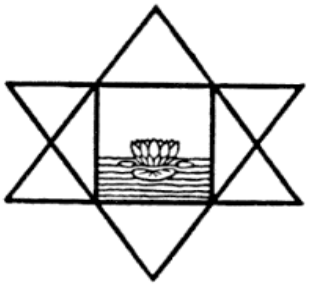

अवरोही त्रिकोण सत, चित, आनंद का प्रतिनिधित्व करता है, और आरोही त्रिकोण जीवन, प्रकाश और प्रेम के रूप में पदार्थ से आकांक्षी उत्तर का प्रतिनिधित्व करता है। दोनों का कार्य- केंद्रीय वर्ग

अपने केंद्र में पूर्ण अभिव्यक्ति है, सर्वोच्च का अवतार- लोटस। वर्ग के अंदर का पानी, बहुलता, निर्माण का प्रतिनिधित्व करता है।

संघ में ईश्वर और ईश्वर्या की प्रभावी अभिव्यक्ति। श्री अरबिंदो सोसाइटी के दर्शन के संदर्भ में, उनके दर्शन को लागू करने के लिए कुछ प्रतिष्ठान हैं जहां सामाजिक परिवर्तन की योजना को क्रियान्वित किया जाता है।

1.2. 4 SAS समाज के कल्याण के लिए गतिविधियाँ। 5

श्री अरबिंदो सोसाइटी के पास समाज के कल्याण और परिवर्तन के लिए विभिन्न गतिविधियाँ हैं।

SAIRSS	श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज एक नए सामाजिक व्यवस्था के लिए काम कर रहा है
शिक्षा SAFIER	इंटीग्रल एजुकेशन एंड रिसर्च के लिए श्री अरबिंदो फाउंडेशन एक बेहतर भविष्य की ओर देख रहा है
स्वास्थ्य SAIIIHR	श्री अरबिंदो इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर इंटीग्रल हेल्थ एंड रिसर्च (शरीर, जीवन, मन और आत्मा के बीच संतुलन)
जर्नल नमः	चिकित्सा और स्वास्थ्य के लिए नए दृष्टिकोणों का जर्नल (स्वास्थ्य और चिकित्सा का जर्नल) NAMAH
भारतीय संस्कृति SAFIC	भारतीय संस्कृति के लिए श्री अरबिंदो फाउंडेशन (आध्यात्मिकता का सार है)
प्रबंधन SAFIM	इंटीग्रल मैनेजमेंट के श्री अरबिंदो फाउंडेशन (एक नया तरीका खोजें)
श्री अरबिंदो रूरल एंड विलेज एक्शन और आंदोलन SARVAM	सर्वम श्री अरबिंदो ग्रामीण और ग्रामीण कार्रवाई और आंदोलन
प्रेरणादायक ग्रामीण प्रशिक्षण केंद्र SHARANAM	शरणम (एक प्रेरणादायक ग्रामीण प्रशिक्षण केंद्र)
फिल्म्स डिवीजन ऑरोफिल्म्स	ऑरोफिल्म्स (सौंदर्य और सत्य की सेवा में)
जन संचार SAIMC	श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन (सामाजिक परिवर्तन के लिए एक साधन के रूप में मीडिया)
विज्ञान और तकनीक SAIASR	अनुप्रयुक्त वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए श्री अरबिंदो संस्थान (वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और उपयुक्त प्रौद्योगिकी में नवाचार)
आईसीसी	अभिन्न चेतना केंद्र (चेतना नींव है)
जवान	युवा परिषद (क्या हम उन्हें एक बेहतर कल का निर्माण कर सकते हैं?)
महिला	महिला परिषद (उनकी सही भूमिका और जिम्मेदारी)
वाणिज्य और व्यापार	ऑरो सर्विस (आर्थिक क्षेत्र में आध्यात्मिकता)

प्रकाशन	प्रकाशन और ऑडियो विजुअल

1.2.5 श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल ट्रेनिंग

इस संस्थान में भारत के युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है। ऐसे पाठ्यक्रमों की अवधि 6 महीने से 1 वर्ष तक है। पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं:

1. पाक कला, बेकरी और खाद्य प्रसंस्करण
2. बढ़ईगीरी, फोटो-फ्रेमिंग और फाड़ना
3. हस्तनिर्मित, पेपरमेकिंग, पेपर क्राफ्ट, बुक बाइंडिंग और स्क्रीन प्रिंटिंग
4. सिलाई और बुनाई (केवल लड़कियों के लिए)
5. लाइब्रेरी साइंस ट्रेनिंग
6. कंप्यूटर और टाइपिंग, हिंदी और अंग्रेजी
7. पैरा मेडिकल ट्रेनिंग (अवधि 1 वर्ष)
8. नलसाजी
9. चिनाई
10. सिविल इलेक्ट्रीशियन
11. बढ़ईगीरी
12. कंप्यूटर
13. बेसिक सोलर एनर्जी
14. फलों का प्रसंस्करण और खाना बनाना

ये प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हैं। आश्रम में नि: शुल्क बोर्डिंग और लॉजिंग प्रदान की जाती है। इसके साथ प्रशिक्षण अवधि के दौरान 1000 रुपये की पॉकेट मनी भी प्रदान की जाती है। मदर के इंटीग्रल हेल्थ सेंटर में बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जाती है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को खेल, संगीत एट जैसी अतिरिक्त गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्रशिक्षुओं के लिए हिंदी, अंग्रेजी और शारीरिक शिक्षा कक्षाएं अनिवार्य हैं। मुफ्त बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

1.२.6 आश्रम की अन्य गतिविधियाँ

1. मेडिटेशन हॉल: आश्रम में एक विशाल मेडिटेशन हॉल है। सोमवार से शनिवार तक, 7 से 7.30 बजे, आध्यात्मिक और भक्ति संगीत और श्री अरबिंदो और माता के कार्यों से पढ़ने का सामूहिक मंचन होता है। रविवार को, सत्संग 10.a.m से आयोजित किया जाता है। लगभग 11.15 बजे और किसी आध्यात्मिक विषय पर बातचीत शामिल है। हॉल उन लोगों के लिए पूरे दिन खुला रहता है, जो खुद से ध्यान लगाना चाहते हैं ।

2. व्याख्यान श्रृंखला, अध्ययन शिविर: श्री अरबिंदो के अभिन्न योग के साधकों और उनके सहयोगियों द्वारा व्याख्यान, वार्ता और प्रवचन और भविष्य की उनकी महान दृष्टि पूरे वर्ष में आयोजित की जाती है। अगस्त में श्री अरबिंदो के जन्म

वर्षगांठ समारोह के दौरान एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाता है। उत्तराखंड के नैनीताल में हिमालयन सेंटर में गर्मियों और शरद ऋतु के दौरान कई अध्ययन शिविर आयोजित किए जाते हैं।

3. पुस्तकालय और वाचनालय "ज्ञान": पुस्तकालय में योग, धर्म, दर्शन, साहित्य, शिक्षा, विज्ञान, इतिहास, भूगोल, स्वास्थ्य, स्वच्छता आदि पर अच्छी पुस्तकों और पत्रिकाओं का संग्रह है, जो संग्रह 16 भारतीय और विदेशी भाषाएँ। पुस्तकालय सोमवार को छोड़कर पूरे सप्ताह खुला रहता है। एक सुरक्षा रु। 300/- (वापसीयोग्य) को पुस्तकालय से जारी होने वाली पुस्तकों को प्राप्त करने से पहले आश्रम कार्यालय में जमा किया जाना है।

4. श्री अरबिंदो पुस्तक वितरण एजेंसी (SABDA) दिल्ली शाखा: यह सभी आश्रम (पांडिचेरी और दिल्ली शाखा) के प्रकाशनों और तस्वीरों की बिक्री को संभालती है। यह धूप, हस्तनिर्मित कागज और स्टेशनरी, ग्रीटिंग कार्ड, भक्ति गीतों के कैसेट और अन्य आश्रम उत्पादों को भी बेचता है।

5. पत्रिकाएँ: श्री अरविंद कर्मधारा (हिंदी) और अंग्रेजी में द कॉल बियॉन्ड की पत्रिकाएँ हमें सद्भावना के लोगों तक पहुँचने में मदद करती हैं और एक बेहतर भारत के निर्माण के लिए श्री अरबिंदो और द मदर के शिक्षण को प्रचारित करने और लागू करने में उनका सहयोग प्राप्त करती हैं। एक बेहतर दुनिया।

6. मातृ मुक्त होम्योपैथिक औषधालय: यह सभी के लिए खुला है। एक सक्षम होम्योपैथिक चिकित्सक की सेवा उपलब्ध है।

7. माता का अभिन्न स्वास्थ्य केंद्र: एक एलोपैथिक औषधालय स्कूली बच्चों और आश्रम के निवासियों की आवश्यकता को पूरा करता है। इस यूनिट द्वारा स्कूली बच्चों का मेडिकल चेकअप किया जाता है। औषधालय सुबह 8 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक खुला रहता है। रविवार को छोड़कर दैनिक। विभिन्न दिनों में कई विशेष क्लीनिक भी आयोजित किए जाते हैं। योग और प्रकृति का इलाज, एक्यूप्रेशर, मैग्नेटो थेरेपी, विजन- सुधार पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। यह एंट्री निम्न-आय वाले लोगों को आवश्यकतानुसार आवश्यकतानुसार नि: शुल्क सेवाएँ और दवाएँ प्रदान करती है। ग्रामीण क्लीनिक नैनीताल, मध्य प्रदेश, उड़ीसा आदि के आसपास के गाँवों में संचालित किए जाते हैं जहाँ निशुल्क चिकित्सा सहायता के अलावा कपड़े आदि भी जरूरतमंदों को वितरित किए जाते हैं। नेत्र शिविरों के दौरान समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को हर साल नि: शुल्क इंट्रा-ऑक्यूलर प्रत्यारोपण और मुफ्त चश्मा प्रदान किया जाता है।

8. योग कक्षाएं: लोकप्रिय मांग के लिए रियायत के रूप में, आश्रम सप्ताह के तीन दिन योग की शारीरिक प्रथाओं पर कक्षाएं आयोजित करता है। लेकिन आश्रम के लिए अद्वितीय गतिविधि श्री अरबिंदो और द मदर के अभिन्न योग पर आधारित पाठ्यक्रमों की एक श्रृंखला है। सिद्धांत और व्यावहारिक वर्गों के समूह गतिविधियों और व्यक्तिगत परामर्श के संयोजन के माध्यम से ये पाठ्यक्रम जीवन को एक नया रास्ता देते हैं।

9. आश्रम अतिथि सेवा: "तपस्या", आवासीय भवन में मेहमानों के लिए कुछ आवास हैं। यह उन लोगों के लिए है, जो आध्यात्मिक पथ पर भक्त या साधक हैं और आश्रम के पवित्र वातावरण का आनंद लेना चाहते हैं, सामुदायिक जीवन में भाग लेते हैं और आश्रम की स्वच्छता, रखरखाव और विकास में मदद करते हैं।

1.२.7 श्री अरबिंदो एजुकेशन सोसायटी

श्री अरबिंदो और द मदर की शिक्षाओं के अनुसार युवा पीढ़ी को उच्च आध्यात्मिक और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए तैयार करने के लिए 1964 में श्री अरबिंदो एजुकेशन सोसाइटी की स्थापना की गई थी। यह श्री अरविंद और द मदर द्वारा इसके 5 गुना पहलुओं में परिकल्पित "इंटीग्रल एजुकेशन" का प्रचार और कार्यान्वयन करके ऐसा करना चाहता है:

- The Physical
- The Vital
- The Mental
- The Psychic
- The Spiritual

श्री अरबिंदो एजुकेशन सोसाइटी में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियाँ और केंद्र शामिल थे और वे इस प्रकार हैं:

1. द मदर्स इंटरनेशनल स्कूल: यह 1956 में स्थापित एक वरिष्ठ माध्यमिक पब्लिक स्कूल है। यह केंद्रीय बोर्ड से संबद्ध एक अंग्रेजी माध्यम का सह-शैक्षणिक संस्थान है। माध्यमिक शिक्षा और विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी में पाठ्यक्रम प्रदान करता है।
2. मातृ कला मंदिर: यह ललित कलाओं की एक संध्या पाठशाला है जिसे 1967 में शुरू किया गया था। यह ओडिसी, भरतनाट्यम, कथक और कुचिपुड़ी नृत्य रूपों, शास्त्रीय और हल्के मुखर संगीत, बांसुरी, सितार, गिटार, कीबोर्ड, तालिका का प्रशिक्षण देती है। पेंटिंग, मूर्तिकला, टेकवांडो, योग आदि।
3. मीमबिका: इंटीग्रल एजुकेशन एंड ह्यूमन वैल्यूज के लिए यह रिसर्च सेंटर 1980 में इंटीग्रल और "फ्री प्रोग्रेस" एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था। इसके 2 पंख हैं:

   ए। फ्री प्रोग्रेस स्कूल: यह फ्री प्रोग्रेस एजुकेशन के लिए एक पायलट यूनिट है। इसका उद्देश्य प्रत्येक बच्चे की मानसिक, रचनात्मक और शारीरिक क्षमताओं का अनायास विस्तार करना है। स्कूल के अनुसंधान और संसाधन विंग मानव प्रयासों के कई क्षेत्रों में चेतना के उच्च स्तरों के एकीकरण पर शोध कर रहे हैं, लेकिन शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ । यह अभिन्न सीखने के लिए नए तरीके विकसित कर रहा है और विचारों, तकनीकों और सामग्रियों के लिए एक विनिमय केंद्र है।

   ख। शिक्षक शिक्षा संस्थान: औपचारिक रूप से निर्धारित शिक्षक प्रशिक्षण से अलग, यह एक ऐसा वातावरण प्रदान करता है जहां प्रशिक्षु अपनी चेतना, दृष्टिकोण और समझ विकसित कर सकते हैं और जहां बहुत शुरुआत से, सिद्धांत और व्यवहार पूरी तरह से हैं

   को एकीकृत। पाठ्यक्रम दो प्रकार के होते हैं:

   1. तीन वर्षीय अभिनव और अभिन्न पूर्व प्राथमिक शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम।
   2. तीन वर्षीय अभिनव और अभिन्न प्राथमिक शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम।

कैंप और ट्रेक

श्री अरबिंदो एजुकेशन सोसायटी नियमित रूप से देश में कई स्थानों पर शिविर और ट्रेक आयोजित करती है जैसे:

1 साहसिक युवा शिविर

2 पांच दिवसीय बुनियादी रॉक क्लाइम्बिंग

3 ट्रैक

4 योग करें या फिट रहें

5 स्वस्थ जीवन, स्व-विकास, राष्ट्रीय समस्याओं और युवाओं की भूमिका पर ध्यान और बातचीत।

6 श्री अरबिंदो राष्ट्रीय एकता शिविर: 1987 से, समाज इन शिविरों का आयोजन कर रहा है, महिलाओं और आदिवासियों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है। विशेष शिविर गतिविधि समूहों को सिखा रही है, विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में प्रतिभागियों को देशभक्ति के गीत गा रही है।

7 श्री अरबिंदो अध्ययन शिविर

8 विशेष कार्यशालाएँ / शिविर: शिक्षक शिविर, संगीत, नृत्य, रंगमंच, कार्यशालाएँ, पुष्प सार चिकित्सा कार्यशालाएँ, एक्यूप्रेशर शिविर

9 मातृ सेवा स्टोर: यह स्कूली बच्चों, आश्रमों की जरूरत को पूरा करता है और जनता के लिए भी खुलता है। आश्रम की बेकरी, घी, शुद्ध प्रजाति, स्वास्थ्य खाद्य पदार्थ और स्नैक्स आदि के उत्पाद उपलब्ध हैं

10 पिछड़ा क्षेत्र विकास परियोजना: 2004 में, ऑरो- मीरा सर्विस सोसाइटी (AMSS) ने कोपाप जिले के ऊपरी कोलाब जलाशय से घिरे, कमोबेश एक शुद्ध आदिवासी आबादी वाले गांव केचाला में एक नई परियोजना शुरू की। यह उड़ीसा में सबसे पिछड़े क्षेत्रों में से एक है। परियोजना का लक्ष्य शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, जैविक खेती, पर्यावरण जागरूकता और स्वच्छता और वनीकरण के माध्यम से स्थानीय विकास करना है। विशेष उपचार के साथ सभी चिकित्सा सुविधाएं नियमित आधार पर यहां आयोजित की जाती हैं।

11 पांडिचेरी में ऑरोविले, श्री अरबिंदो आश्रम और दिल्ली के अलावा इसके 3 हिमालयन सेंटर भी हैं। वो हैं:

A वान निवास: परिसर में 200 लोग रह सकते हैं। यहां शिविर आयोजित किए जाते हैं।

B मधुबन: मेडिको- सोशल कैंप यहां आयोजित किए जाते हैं

C पहाड़ का स्वर्ग

श्री अरबिंदो का मानना था कि हर धर्म अपने तरीके से सही था। एक कवि, दार्शनिक, लेखक और आध्यात्मिक गुरु, उन्होंने योग की एक नई दृष्टि और एक आध्यात्मिक मार्ग की पेशकश की जिसका अनुसरण उनके शिष्यों द्वारा किया जा सकता है। उनके कई कार्यों में से, सबसे प्रशंसनीय में से एक 'द लाइफ डिवाइन' है, जो उनके अभिन्न योग का एक व्यापक

विवरण है। 5 दिसंबर 1950 को श्री अरबिंदो की मृत्यु हो गई, किसी भी सर्जरी से गुजरने या यहां तक कि खुद को ठीक करने से इनकार कर दिया। उनका मानना था कि स्वर्ग में निवास करने से, वह प्रभावी रूप से अपने आध्यात्मिक मिशन को जारी रखेंगे

1.2.8 नेतृत्व, संचार और प्रेरणा पं. श्रीराम शर्मा व आचार्य श्री अरबिंदो

	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य	**श्री अरबिंदो**
नेतृत्व	1 वाक्पटुता, तार्किक तर्क,प्रामाणिक संदर्भ, चित्र और अनुभव, और ध्वनि तर्क और पाठकों के मनोविज्ञान के साथ अंतरंगता के साथ व्यापक चर्चा वास्तव में उल्लेखनीय हैं 2 वह कष्टों के प्रति प्रेम और सेवा से भरे थे 3 चरित्र की पवित्रता 4 विश्वसनीय स्वभाव 5 उनके चरित्र का आध्यात्मिक प्रभाव और अखंडता 6 सभी के लिए उनके दिल में दिव्य प्रेम 7 प्यार, स्नेह से हमेशा सच्चाई की राह पर चलने का नैतिक साहस दिया 8 माता-पिता की देखभाल गुरुजी और माताजी में स्पष्ट थी 9 सादा जीवन और उच्च विचार	1 वह प्रोएक्टिव थे 2 वह केंद्रित थे 3 वह एक क्रांतिकारी थे 4 वे स्वतंत्रता सेनानी रहे 5 अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण 6 कभी भी किसी ऐसी गलत चीज का समर्थन नहीं किया 7 निर्भयता
संचार	1 भाषा की सरलता और क्षमता के साथ लाइव लिंकेज दर्शकों को सम्मोहित व श्रोता के दिमाग को प्रभावित करता हैं 2 उनके शब्दों के उच्चारण के साथ उनके कर्म और पवित्र भावना 3 संचार में उदाहरण और कारण 4 बहुत ही सरल भाषा का उपयोग किया, आसानी से श्रमिकों द्वारा जुड़ना सीखा जा सकता है	1 अपने पत्रों और लेखों के माध्यम से प्रेरणा 2 भाषा में अच्छी कमांड 3 उनके पास सत्य को साकार करने के लिए अविश्वासियों और अंध अनुयायियों को अंधा कहने की शक्ति थी। 4 विचार स्पष्ट थे 5 रचनात्मक लेखन और दृढ़ कौशल 6 साहसी संचार
प्रेरणा	1 उनके लेखन में आंतरिक आत्मबल है विचार गहरे हैं आत्मज्ञानी बनाने की शक्ति है 2 उनकी कलम और आवाज की प्रेरक शक्ति 3 उदाहरणों के माध्यम से एक महान प्रेरक 4 लोक सम्मान / जनता का सम्मान 5 सामवेद से गायत्री परिवार में लोगों का प्रबंधन होता है	1 वह योगी थे 2 राष्ट्र निर्माण के लिए एक संस्थान विकसित करने के लिए एक महान अंतर्दृष्टि थी 3 हमेशा बड़ों का सम्मान किया। 4 एक गतिशील व्यक्तित्व 5 दूसरों के लिए आशा

संदर्भ

1) "प्रबंधकीय कुशलता पं.श्री राम शर्मा आचार्य के अनुसार: एक अध्यन " Issue 51Vol.02 Mar.-19 Printing Area Journal- दिलीप सराह, देवसंस्कृति विश्व विध्यालय हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

2) युग निर्माण योजना –दर्शन मथुरा, स्वरुप व कार्यक्रम,अखण्ड ज्योति संस्थान, पं .श्री राम शर्मा आचार्य .

3) सामाजिक, नैतिक एवं बौद्धिक क्रांति कैसे . मथुरा, पं अखण्ड ज्योति संस्थान .श्री राम शर्मा आचार्य .

4) शांतिकुंज दिग्दर्शन मथुरा, अखण्ड ज्योति संस्थान, पं .श्री राम शर्मा आचार्य .

5) गायत्री परिवार और श्री अरबिंदो सोसायटी का केस स्टडी